अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कोटा में आयोजित महाधिवेशन 'शंखनाद 2022' में संबोधन

- आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं सभी महिलाओं को एवं समस्त देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।
- इस विशेष अवसर पर आयोजित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के महाधिवेशन **'शंखनाद 2022'** में कोटा एवं देश के अन्य हिस्सों से जुड़ी महिलाओं का भी मैं अभिनंदन करता हूँ।
- मैं संस्था को बधाई देता हूँ कि आपने महिलाओं के अंदर आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से एक देशव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ किया है।
- मुझे प्रसन्नता है कि इस प्रोजेक्ट के अंदर देश के विभिन्न राज्यों में **16** सिलाई प्रशिक्षण केंद्रों का शुभारंभ हो रहा है। साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित भी किया जाएगा। निश्चय ही, इससे महिलाओं को समाज में आर्थिक रूप से सशक्त एवं समर्थ बनाने में सहायता मिलेगी।
- स्वतंत्रता के **75** वर्षों की यात्रा के बाद आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो ऐसी स्थिति में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का यह प्रयास अत्यन्त प्रशंसनीय है। इससे भी अधिक प्रसन्नता की बात यह है कि यह कार्य महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए किया जा रहा है। ऐसा मेरा मानना है कि आधी आबादी को समर्थ और अपने पैरों पर खड़ा करने की दृष्टि से यह प्रकल्प **(Project)** अत्यन्त प्रभावी सिद्ध होगा।
- परमार्थ सेवा माहेश्वरी समाज की गौरवशाली परंपरा रही है। आपने सदैव समाज के सभी वर्गों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कार्य किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से महिलाओं को सशक्त करने एवं उन्हें समर्थ बनाने में सहायता मिलेगी।
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य है कि महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा दिया जाए, उन्हें समाज में उचित सम्मान, प्रतिष्ठा और उपयुक्त स्थान मिले।
- इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम यही है कि किस प्रकार एक सस्टेनेबल विश्व के निर्माण के लिए महिलाओं को उनका उचित स्थान मिले। 'एक स्थायी कल के लिए लैंगिक समानता' आज की सबसे

बड़ी आवश्यकता है। लैंगिक समानता का अर्थ मात्र यह नहीं है कि समाज में महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त हों, बल्कि इसका अर्थ यह भी है कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान अवसर मिले।

- हमारे देश में महिलाओं को समान संवैधानिक और कानूनी अधिकार प्राप्त है परंतु इस समानता को हमें अपने समाज में व्यापक रूप से लाना होगा। इसे अपनी सोच का एवं अपने दैनिक जीवन का अंग बनाना होगा। यह तभी संभव है, जब हमारी महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हों। इस दिशा में आपके द्वारा किया जा रहा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

- इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का ध्येय वाक्य है – 'ब्रेक द बायस' यानी पूर्वाग्रहों को तोड़ना। हम सभी जानते हैं कि समाज में व्याप्त पूर्वाग्रहों को तोड़े बिना एक समता मूलक, समावेशी और न्यायसंगत समाज का निर्माण नहीं हो सकता है।

- हमारी संस्कृति में परंपरागत रूप से महिला शक्ति की आराधना की जाती रही है। उन्हें देवी का दर्जा दिया जाता रहा है। प्राचीन समय में गार्गी, मैत्रेयी, मदालसा और भारती जैसी महिलाओं के नाम सदैव आदरपूर्वक लिए जाते रहे हैं, तो आजादी की लड़ाई में चांद बीबी, रानी चेनम्मा, रानी लक्ष्मीबाई जैसी विभूतियों के नाम सदैव लिए जाते रहे हैं।

- परंतु यह भी सत्य है कि हमारे समाज में महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

- मात्र सरकार के प्रयासों अथवा कानून के निर्माण से ही इस उददेश्य की पूर्ति नहीं हो सकती है बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति को निष्ठापूर्वक योगदान देना होगा। समस्त विश्व का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब महिला और पुरुष, दोनों इसके लिए मिलजुलकर कार्य करें। आधी आबादी को पीछे छोड़कर कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता।

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, हर क्षेत्र में महिलाओं ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, चाहे वह शिक्षा हो, ज्ञान-विज्ञान हो, बैंकिंग हो, व्यापार हो, कारोबार हो, खेलकूद हो, पत्रकारिता हो अथवा सेना हो।

- अभी कोविड महामारी के दौरान भी वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता के रूप में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी रही है और उन्होंने प्रभावी रूप से कोविड के खिलाफ संघर्ष में सकारात्मक योगदान दिया है।

- यह अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि हमारी संसद में भी महिला सांसदों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। वर्तमान में हमारे बीच **81** महिला सांसद हैं। उन्होंने अपने लगन एवं कड़े मेहनत के बल पर अपनी प्रतिभा को साबित किया है। ग्राम पंचायतों और नगरपालिकाओं में तो अनेक राज्यों में महिलाओं के लिए **50** प्रतिशत सीटें आवंटित की गई हैं। इससे निश्चित रूप से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

- मैं मानता हूँ कि महिलाओं में विशिष्ट क्षमता, धैर्य, आत्मबल, संकल्प शक्ति और सहनशीलता होती है, अद्भुत सेवा और समर्पण का भाव होता है, जिससे वे मानवीय संवेदना के साथ कार्य करती हैं।

- इन्हीं विशिष्ट गुणों के कारण महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में पंच, सरपंच, वार्ड काउंसिलर से लेकर संसद सदस्य तथा मंत्री के रूप में अपना कार्य कुशलता से करती हैं।

- यहां तक कि देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोक सभा अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य करते हुए महिलाओं ने एक सक्षम नेतृत्व प्रदान किया है।

- आज **'**शंखनाद **2022'** के माध्यम से माहेश्वरी समाज ने समस्त महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का बड़ा ध्येय रखा है। मैं आपके इस प्रयास की सराहना करता हूँ। मैं **'**शंखनाद **2022'** की पूर्ण सफलता की मंगलकामना करता हूँ।

- मुझे विश्वास है कि विभिन्न राज्यों में **16** सिलाई केंद्रों के शुभारंभ होने से एवं सिलाई मशीनों के वितरण से निश्चय ही उन राज्यों के संबंधित जिलों में महिलाओं का कौशल विकास होगा एवं वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

- मैं मानता हूँ कि माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों से समाज के सभी वर्गों को निश्चय ही प्रेरणा मिलेगी और आजादी के अमृत काल में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए तथा समाज के कल्याण के लिए हम सभी एकजुटता के साथ संकल्पित होकर अपना कार्य करेंगे।

- एक बार पुनः, मैं महिला संगठन एवं समस्त नारी शक्ति को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धन्यवाद। जय हिंद।